

DAX ने रचा इतिहास! जर्मन शेयर बाजार ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

वर्षिय सूची (Table of Contents):

- >> DAX में ऐतिहासिक उछाल आर्थिक सुधारों की उम्मीद में लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड ऊंच...
- >> निवेशकों के बीच बढ़ी सकारात्मक भावना...
- >> 3 जुलाई का ट्रेडिंग सत्र 25,826 अंकों के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा डीएएक्स...
- >> कारोबारी सत्र के मुख्य बंदि...
- >> चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ का नया सुधार पैकेज विकास और रोजगार सृजन की उम्मीदें...
- >> सुधार पैकेज की मुख्य विशेषताएं...
- >> बाजार विशिष्टकों की राय राजनीतिक सहमतियों से जर्मन अर्थव्यवस्था पर निवेशकों का भरो...
- >> विशिष्टकों का विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण...
- >> वैश्विक कारकों का प्रभाव भू-राजनीतिक तनाव में कमी और कच्चे तेल की गिरती कीमतों ...
- >> ऊर्जा की कीमतों में गिरावट का गणति...
- >> 2026 में DAX का अब तक का सफर भारी उतार-चढ़ाव के बाद नचिले स्तर से 18 की शानदार...
- >> साल 2026 के उतार-चढ़ाव का सफरनामा...
- >> अमेरिकी S P 500 से तुलना टेक और AI शेयरों से निकलकर DAX की ओर मुड़ रहा है निवेश...
- >> पूंजी का स्थानांतरण (Capital Rotation)...
- >> निष्कर्ष...
- >> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...

यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी से वैश्विक वित्तीय बाजारों के लिए एक बेहद सकारात्मक खबर सामने आई है। जर्मन शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक डीएएक्स (DAX) ने निवेशकों को गदगद करते हुए लगातार दूसरे दिन इतिहास रच दिया है। देश में आर्थिक सुधारों की नई लहर और सरकार की ओर से पेश किए गए विकास पैकेजों के दम पर बाजार में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है।

इस ऐतिहासिक उछाल ने न केवल घरेलू निवेशकों बल्कि अंतरराष्ट्रीय फंड मैनेजर्स का ध्यान भी जर्मनी की ओर खींचा है। वित्तीय विशिष्टकों का मानना है कि नए नीतितमक फैसलों से आने वाले समय में कंपनियों के कॉर्पोरेट गवर्नेंस और मुनाफे में बड़ा सुधार देखने को मिल सकता है, जिससे इस वित्तीय वर्ष में बाजार का status और मजबूत होगा।

DAX में ऐतिहासिक उछाल: आर्थिक सुधारों की उम्मीद में लगातार द

जर्मनी का बेंचमार्क स्टॉक इंडेक्स DAX 3 जुलाई को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में अपने नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ। इस अप्रत्याशित तेजी का मुख्य कारण बर्लिन में सरकार द्वारा आर्थिक नीतियों में किए जा रहे बड़े बदलाव हैं। निवेशकों के बीच यह भरोसा जगा है कि चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ की नई नीतियां ठप पड़ी जर्मन अर्थव्यवस्था में जान फूंकने का काम करेंगी।

नविशकों के बीच बढ़ी सकारात्मक भावना

व्यतिनाम न्यूज एजेंसी (VNA) की रिपोर्ट के अनुसार, 2 जुलाई को सरकार द्वारा की गई घोषणाओं ने बाजार की धारणा (market sentiment) को पूरी तरह से बदल दिया है। जहां कुछ समय पहले तक नविशक जर्मन बाजार को लेकर असमंजस में थे, वहीं अब बाजार में भारी लविलाई देखने को मलि रही है। नई सुधारवादी नीतियों को लेकर नविशकों का भरोसा इस कदर बढ़ा है कि शॉर्ट-टर्म वोलैटिलिटी के बावजूद रिकॉर्ड खरीदारी दर्ज की जा रही है।

3 जुलाई का ट्रेडिंग सत्र: 25,826 अंकों के सर्वकालिक उच्च स्तर

3 जुलाई का कारोबारी दिन जर्मन शेयर बाजार के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया है। इस दिन के ट्रेडिंग सत्र के दौरान DAX सूचकांक ने तेज रफ्तार पकड़ते हुए संक्षेप में 25,826 अंकों के सर्वकालिक उच्च स्तर (All-Time High) को छू लिया। हालांकि, सत्र के आखिरी घंटों में मामूली मुनाफावसूली देखी गई, जिसके बावजूद सूचकांक बढ़त बनाए रखने में कामयाब रहा।

कारोबारी सत्र के मुख्य बढि

>> इंडराडे हाई: ट्रेडिंग के दौरान सूचकांक ने 25,826 अंकों का ऐतिहासिक शिखर छुआ।

>> क्लोजिंग लेवल: बाजार बंद होने के समय DAX 0.8% की दैनिक बढ़त के साथ 25,779 अंकों पर थमा।

>> बाजार पूंजीकरण में वृद्धि: इस तेजी के कारण जर्मनी की शीर्ष कंपनियों के मार्केट कैप में अरबों यूरो का इजाफा हुआ है।

इस रिकॉर्ड-ब्रेकिंग प्रदर्शन को देखने के बाद विश्लेषकों का कहना है कि यदि सुधारों का क्रियान्वयन सही ढंग से हुआ, तो नविशक जल्द ही इसकी वसितृत गाइडलाइन या नियमावली की PDF फाइल और अपडेटेड सेक्टरलिस्ट जारी होने की उम्मीद कर सकते हैं।

चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ का नया सुधार पैकेज: विकास और रोजगार सृ

इस पूरी तेजी के केंद्र में चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ की सरकार द्वारा 2 जुलाई को घोषित किया गया महत्वाकांक्षी सुधार पैकेज है। इस विशेष आर्थिक पैकेज का प्राथमिक उद्देश्य देश के भीतर औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना और नए रोजगार के अवसरों का सृजन करना है।

सुधार पैकेज की मुख्य विशेषताएं

जर्मन सरकार ने कॉर्पोरेट जगत को राहत देने और वनिर्माण (manufacturing) क्षेत्र को गति देने के लिए कई बड़े कदमों का खाका तैयार किया है, जिनमें नमिनलखिति शामिल है:

>> औद्योगिक प्रोत्साहन: वनिर्माण इकाइयों को टैक्स में छूट और आसान नियामक प्रक्रियाएं प्रदान करना।

>> रोजगार सृजन: कंपनियों को नए कर्मचारियों की भरती के लिए वित्तीय मदद और सब्सिडी देना।

>> बिजनेस सेंट्रल में सुधार: नौकरशाही के लालफीताशाही को कम करके व्यापार करने की सुगमता (Ease of Doing Business) को बढ़ाना।

नवेशकों को पूरी उम्मीद है कि इन उपायों से जर्मन अर्थव्यवस्था की रिकवरी की रफ्तार तेज होगी और आने वाली तमाहियों में कंपनियों के शुद्ध मुनाफे (net profits) में उल्लेखनीय सुधार होगा।

बाजार विशिष्टों की राय: राजनीतिक सहमति से जर्मन अर्थव्यवस्था

वित्तीय जगत के प्रमुख थकि-टैक और रणनीतिकार इस घटनाक्रम को जर्मनी के लिए एक टर्नगि पॉइंट मान रहे हैं। बैंडेन-वुस्टेमबर्ग स्टेट बैंक (LBBW) के इक्विटी रणनीतिकार फ्रैंक क्लम्प का कहना है कि राजनीतिक मोर्चे पर दखि रही आम सहमति ने अंतरराष्ट्रीय नवेशकों की नजर में जर्मनी की छवि को काफी हद तक सुधारा है।

विशिष्टों का विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण

फ्रैंक क्लम्प के अनुसार, यह सच है कि जर्मनी को मौजूदा समय में कई संरचनात्मक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन राजनीति में समन्वय और आम सहमति बनाने की क्षमता के जो संकेत मलि रहे हैं, उन्हें वैश्विक बाजार द्वारा बेहद सकारात्मक रूप से लिया जा रहा है।

वही दूसरी ओर, प्रसिद्ध फंड प्रबंधन कंपनी डीडब्ल्यूएस (DWS) में यूरोपीय इक्विटी के सह-प्रमुख फलिपि श्वेनेके ने भी इसी तरह के वचिार साझा कएि है। उनका मानना है कि निर आर्थिक सुधार जर्मन शेयर बाजार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को लेकर नवेशकों की धारणा (investor perception) को पूरी तरह से बदलने और सुधारने में सक्षम है। भारत में भी आर्थिक नीतियों का गहरा असर पड़ता है, जैसे हाल ही में योगी सरकार का बड़ा कमाल! आवास, पेंशन और रोजगार में यूपी बना नंबर 1 के रूप में देखा गया, जो नीतगित सुधारों के महत्व को दर्शाता है।

वैश्विक कारकों का प्रभाव: भू-राजनीतिक तनाव में कमी और कच्चे

जर्मनी के भीतर चल रहे राजनीतिक घटनाक्रमों के अलावा, वैश्विक मोर्चे से मलि राहत ने भी इस तेजी में घी का काम किया है। पछिले कुछ समय से अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहा भू-राजनीतिक तनाव अब कम होता दखि रहा है, जिससे वैश्विक बाजारों ने राहत की

सांस ली है।

ऊर्जा की कीमतों में गरिवट का गणति

इस तनाव में कमी आने की उम्मीदों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और ऊर्जा की कीमतों में हाल ही में भारी गरिवट आई है। यह गरिवट जर्मनी के लिए किसी वरदान से कम नहीं है क्योंकि जर्मन व्यवसाय और भारी उद्योग बड़े पैमाने पर ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं। अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष की शुरुआत के बाद बाजार में जो मंदी और अनश्चितता आई थी, उससे प्रभावित हुए ऊर्जा-निर्भर जर्मन उद्योगों के लिए यह latest update एक बड़ी राहत लेकर आया है।

2026 में DAX का अब तक का सफर: भारी उतार-चढ़ाव के बाद नचिले स

साल 2026 की शुरुआत से ही DAX में लगभग 5% की कुल बढ़ोतरी दर्ज की जा चुकी है, लेकिन इस आंकड़े के पीछे भारी उतार-चढ़ाव और अनश्चितता की एक लंबी कहानी छपी है। चालू वर्ष में जर्मन सूचकांक का प्रदर्शन बेहद अस्थिर (highly volatile) रहा है।

साल 2026 के उतार-चढ़ाव का सफरनामा

यदि हम इस साल के आंकड़ों का विश्लेषण करें, तो सूचकांक ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं:

- >> जनवरी का शिखर: जनवरी के मध्य में सूचकांक 25,508 अंकों के तत्कालीन रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था।
- >> मार्च की बड़ी गरिवट: जनवरी के बाद बाजार में भारी बकिवाली आई और सूचकांक एक समय अपने शीर्ष से 14% तक टूटकर मार्च में 21,900 अंकों के स्तर से भी नीचे चला गया था।
- >> शानदार रिकवरी: मार्च के नचिले स्तर को छूने के बाद, DAX ने जबरदस्त वापसी की और अपने न्यूनतम स्तर से 18% की शानदार रिकवरी दर्ज करते हुए जुलाई में नए रिकॉर्ड बना दिए।

दुनिया भर में विभिन्न सेक्टर्स में होने वाले बदलावों की तरह, चाहे वह कृषि हो जहां लोग 60 की उम्र में खेत से मंच तक; जंगली धान से बचा रहे जीवन! जैसी पहलों से जुड़े हों, या वित्तीय बाजार स्थिरता और लचीलापन ही अंततः सफलता तय करते हैं।

अमेरिकी S P 500 से तुलना: टेक और AI शेयरों से निकलकर DAX की

हालांकि DAX ने नया रिकॉर्ड बनाया है, लेकिन अगर वैश्विक स्तर पर तुलना की जाए, तो इसकी वृद्धि दर अमेरिकी बाजार के बेंचमार्क S P 500 से काफी धीमी रही है। S P 500 में इस साल की शुरुआत से अब तक लगभग 9% की भारी बढ़त देखी गई है।

पूंजी का स्थानांतरण (Capital Rotation)

बीएनपी पारिबास (BNP Paribas) की सहायक कंपनी कंसोर्सबैंक (Consorsbank) के मुख्य बाजार विश्लेषक जोचेन स्टैन्ज़ल ने इस पर बहुत महत्वपूर्ण विश्लेषण दिया है। उनके अनुसार, अमेरिकी बाजारों में प्रौद्योगिकी (Technology) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) से जुड़े शेयरों में आया जोरदार उछाल पूंजी को अपनी तरफ खींच रहा था, जिससे यूरोपीय बाजारों में उतनी तेजी नहीं आ पा रही थी।

लेकिन अब परिदृश्य बदल रहा है। टेक और एआई शेयरों के अत्यधिक उच्च मूल्यांकन (high valuation) को लेकर नविशक थोड़े सतर्क हो गए हैं और वहां मुनाफावसूली (profit booking) कर रहे हैं। इस रोशेन के तहत, पूंजी अब उन वैल्यू स्टॉक्स और बाजारों की तरफ जा रही है जो पहले कम अनुकूल थे या अंडरवैल्यूड थे। जोचेन स्टैन्ज़ल के मुताबिक, नविशक अब बेहतर मूल्य-आय अनुपात (P E Ratio) और मजबूत जोखिम-अवसर संबंध वाले शेयरों में नए अवसर तलाश रहे हैं, जिससे जर्मन बाजार को सीधे तौर पर बड़ा फायदा मिला रहा है। वैश्विक स्तर पर अवैध गतिविधियों पर कसते शक्ति की तरह, जैसे भारत में हाल ही में देखा गया ककिरिना दुकान में टॉफी के साथ बकि रहा था गांजा और बीयर, पुलसि का छापा, शेयर बाजार में भी नविशक जोखिमों को भांपते हुए सुरक्षा और नियम-आधारित नविश की ओर apply online मोड की तरह तेजी से बढ़ रहे हैं।

नविशक

संक्षेप में कहा जाए तो, जर्मन शेयर बाजार (DAX) में आई यह रिकॉर्ड-ब्रेकिंग तेजी इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सिही समय पर लिये गए राजनीतिक निर्णय और आर्थिक सुधार किसी भी देश के बाजार की दिशा बदल सकते हैं। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ का सुधार पैकेज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नविशकों का भरोसा जीतने में पूरी तरह सफल रहा है। भू-राजनीतिक तनाव में कमी और कच्चे तेल की गिरती कीमतों जैसे वैश्विक कारकों ने इस तेजी को और अधिक टिकाऊ बना दिया है। हालांकि 2026 का साल उतार-चढ़ाव से भरा रहा है, लेकिन वर्तमान में चल रहा कैपिटल रोटेशन आने वाले समय में जर्मनी और यूरोपीय बाजारों के लिये बेहद फलदायी साबित हो सकता है। नविशक अब अपनी रणनीतिको नए सरि से तैयार करने के लिये बाजार के रुझानों की जांच या check कर सकते हैं।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

3 जुलाई के कारोबारी सत्र के दौरान जर्मन शेयर बाजार का सूचकांक DAX संक्षेप में 25,826 अंकों के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया और अंत में 0.8% की बढ़त के साथ 25,779 अंकों पर बंद हुआ।

इस तेजी का मुख्य कारण चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ की सरकार द्वारा 2 जुलाई को घोषित किया गया आर्थिक विकास और रोजगार सृजन सुधार पैकेज है, जिसने नविशकों के भरोसे को मजबूत किया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि नए उपायों से जर्मन अर्थव्यवस्था की रिकवरी में तेजी आएगी, जिससे कंपनियों के परिचालन में आ रही बाधाएं दूर होंगी और उनके शुद्ध मुनाफे में सुधार होगा।

अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव कम होने से तेल की कीमतें गरीं हैं। चूंकि जर्मन उद्योग ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं, इसलिए ऊर्जा की कम कीमतों से उनकी उत्पादन लागत घटी है और बाजार को सहारा मिला है।

साल 2026 में DAX काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। जनवरी में 25,508 अंक घूने के बाद यह मार्च में 21,900 से नीचे चला गया था, लेकिन उसके बाद इसने अपने नचिले स्तर से 18% की शानदार रकवरी की है।

अमेरिकी S P 500 में साल की शुरुआत से लगभग 9% की वृद्धि हुई है क्योंकि वहां टेक्नोलॉजी और AI शेयरों में भारी उछाल था, जसिने वैश्विक नविश को आकर्षित किया, जबकि DAX में शुरुआती सुस्ती देखी गई थी।

अमेरिकी टेक शेयरों के अत्यधिक ऊंचे वैल्यूएशन के कारण नविशक अब वहां से मुनाफा कमाकर अपनी पूंजी को बेहतर P E रेशियो और संतुलित जोखिम वाले अन्य बाजारों जैसे जर्मनी (DAX) की ओर स्थानांतरित कर रहे हैं।